राजनीति में भारतीय संस्कृति का हो समावेश- थावरचंद

त्रिदिवसीय राजनैतिक सम्मेलन में केन्द्रीय मंत्री, राज्य मंत्री तथा अन्य सांसदों सहित कई गणमान्य लोगों ने लिया भाग

ब्रह्माकुमारी संस्थान की सबने की कोटि-कोटि सराहना

सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए भाजपा सांसद सुब्रह्मण्यम स्वामी। केन्द्रीय सामाजिक न्याय मंत्री थावरचंद गहलोत। मंचासीन हैं ब्र.कु. शशि, ब्र.कु. उषा,, ब्र.कु. डॉ. निर्मला तथा ब्र.कु. बृजमोहन।

ज्ञानसरोवर। ज्ञानसरोवर में राजनैतिक प्रभाग द्वारा 'गौरवशाली भारत के लिए राजनीति में दिव्यता' विषय पर त्रिदिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें केन्द्रीय सामाजिक न्याय मंत्री भी उपस्थित थे।

''वंदे मातरम् नहीं कहना, भारत माता की जय न बोलना फैशन सा हो गया है। इस परिपाटी को समाप्त कर देश के नागरिकों को राष्ट्रवाद की भावना तथा भारतीय पुरातन संस्कृति को फिर से अपनाने की ज़रूरत है। आने वाली पीढ़ी को भारतीय संस्कृति का सही और समुचित ज्ञान हो, उसके लिए प्राथमिक स्तर पर ही पाठ्यक्रमों में संस्कृति की सही जानकारी देनी होगी'' - **केन्द्रीय सामाजिक न्याय मंत्री थावरचंद गहलोत।**

''राष्ट्रहित में त्याग अत्यंत आवश्यक है, बिना त्याग के जनसेवा नहीं हो सकती है। गरीबी को मिटाने के लिए सभी प्रकार के भेदभाव की मान्यता को समाप्त करना होगा'' - **पूर्व केन्द्रीय मंत्री और भाजपा सांसद सुब्रह्मण्यम स्वामी।**

''जनकल्याण करने वाले राजनेताओं की मानसिकता परोपकारी भावनाओं से भरपूर होनी चाहिए। तभी ही वो सुसंस्कृत भारत के निर्माण कार्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे पायेंगे'' - **ज्ञान सरोवर अकादमी की निदेशिका ब्र.कु.डॉ.निर्मला।**

''निर्भीकता व निष्पक्षता जैसे मूल गुण अपनाने की परम आवश्यकता है। राजनेता का मतलब ही है नैतिकता उनके निजी जीवन में हो। तभी ही वे स्वार्थ रहित तथा निष्पक्ष रूप से अपने कार्य को निभा पायेंगे'' - **राजनैतिक प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु. बृजमोहन आनंद।**

सम्मेलन को बिहार की पूर्व मंत्री **सीता सिन्हा**, खेल प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका **ब्र.कु. शशी** और मुख्यालय संयोजिका **ब्र.कु. ऊषा** ने भी सम्बोधित किया।

स्वागत सत्र को सम्बोधित करते हुए दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष **रामनिवास गोयल** ने कहा कि भारत की संस्कृति में जनसेवा हर मनुष्य के संस्कारों में रची बसी है, ज़रूरत है उसके सशक्तिकरण की।

नेपाल की क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी **ब्र.कु. राज** ने आध्यात्मिक ज्ञान के साथ-साथ सभी को राजयोग मेडिटेशन की अनुभूति कराई। इस दौरान कर्नाटक के पूर्व कैबिनेट मंत्री, विधायक **मल्लिकय्या गुट्टेदर** भी मौजूद थे।

कथनी करनी में समानता हो

मिजोरम के राज्यपाल, पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल निर्भय शर्मा ने ब्रह्माकुमारीज़ के राजनीतिक सेवा प्रभाग द्वारा 'गौरवशाली भारत के लिए राजनीति में दिव्यता' विषय पर आयोजित सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि राजनीति राजधर्म पर आधारित होनी चाहिए। सच्चा राजनेता वह है जिसका सोचना, बोलना व करना देश की भलाई के लिए हो। उसके लिए सबसे महत्वपूर्ण देश व समाज का हित होगा। हम अपनी सोच को सकारात्मक बनाकर और व्यवहार में ईमानदारी लाकर परिवर्तन ला सकते हैं। गरीबी को मिटाने के संकल्प में या देश में हर व्यक्ति की हेल्दी लाइफ स्टाइल हो, उसी दिशा में राजनेताओं को मिलकर कार्य करना होगा, तभी ही हम एक सुखी व सम्पन्न भारत का निर्माण कर सकेंगे। उन्होंने ब्रह्माकुमारी संस्था की ऐसे आयोजन के लिए दिल से सराहना की।

मन को खुशनुमा रखने हेतु उचित प्रशिक्षण

कोरबा-छ.ग.। दर्री जमनीपाली सी.आई.एस.एफ इकाई के **कमाण्डेन्ट वी.पी.यमुना** ने स्वागत सत्र में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण के अंतर्गत बहुत सारी जीवनोपयोगी मानसिक, सामाजिक, आध्यात्मिक एवं स्वास्थ्य सम्बंधी जानकारी दी जायेगी, जिससे हम तनाव मुक्त होकर एवं चुस्त-दुरुस्त होकर परिवार, मित्र सम्बंधी और समाज के बीच आपसी सामंजस्य बनाकर रख सकेंगे, जिससे इसका प्रभाव दूर-दूर तक जाएगा।

- **सी.आई.एस.एफ,एन.टी.पी.सी. में तनाव मुक्ति प्रशिक्षण का आयोजन**
- **ब्रह्माकुमारीज़ के सुरक्षा प्रभाग द्वारा आयोजित किया गया ये कार्यक्रम**
- **चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट सहित कई मोटिवेशनल स्पीकर भी थे उपस्थित**

निम्नलिखित विषयों पर डाला गया प्रकाश

- **जीवनोपयोगी मानसिक, सामाजिक आध्यात्मिक स्वास्थ्य अति आवश्यक**
- **रहें चुस्त दुरुस्त इस तनावमुक्त जीवन में**
- **मित्र सम्बंधियों के साथ कैसे बनायें सामंजस्य**

''योग तथा मेडिटेशन एक प्रकार का विज्ञान है जो कि मन: स्थिति को नियंत्रित करता है। इसका प्रभाव कम से कम 48 घण्टे तक तो रहता ही है। इससे आपका स्वास्थ्य अच्छा होता है और मन शांत रहता है''- **आर.के.राउत महाप्रबंधक,प्रचालन,एनटीपीसी,कोरबा।**

''आप तनाव की आग में हैं तो क्या वो क्रोध का डीज़ल डालने से बुझ जाएगा? उस पर तो शांति और खुशी के शीतल जल की बौछार करनी पड़ेगी। तनाव को जीवन से भगाना है, न कि हैप्पीनेस चाहिए। किंतु आज हम अपना अधिक ध्यान धन कमाने में लगाते हैं। स्वास्थ्य भी एक सम्पत्ति है। इस शरीर के प्रत्येक सिर्फ उसका वर्णन करना है। आज हम समस्याओं को गिनाते हैं, लेकिन कहीं न कही उसका वर्णन करते हुए उसका समाधान ढूंढ़ निकालने का प्रयास करना है'' - **चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट प्रिया चौधरी।**

''स्वस्थ जीवन के लिए हेल्थ चाहिए, वेल्थ चाहिए और अंगों की कीमत है। इस शरीर का आंकलन वैज्ञानिकों ने 220 करोड़ की संपत्ति से किया है। हमारे मन में पुरानी बीती हुई बातों का बोझ है, हमने इसे गोडाऊन बना दिया'' - **ब्र.कु. पुरुषोत्तम चौधरी, मिसाइल इंजीनियर एवं मोटिवेशनल स्पीकर,नागपुर।**

''मन को खुशनुम: बनाने के लिए हमें अपने आपसे प्रतिज्ञा करनी है कि हमें हर परिस्थिति में खुश रहना है। भगत सिंह के गले में फाँसी का फंदा था, किंतु चहरे पर देशभक्ति का इतिहास रचने की मुस्कान थी। जीसस क्राइस्ट को सूली पर चढ़ाने पर भी क्षमा भाव और शांति की मुद्रा थी। गुरुनानक देव जी को पत्थर मारे गए, लेकिन वह शांत रहे। कोई हमें कुछ भी दे, लेकिन हमें शांत रहना है और अपने जीवन को खुशनुम: बनाने के लिये खुशियां भी बांटनी है और सभी की दुआएं लेने के लिये ज़रूरतमंद लोगों की सहायता करनी है'' - **करण सिंह राणा, सेवानिवृत्त वायुसेना अधिकारी।**

तनाव मुक्ति प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान ऑफिसर्स तथा जवानों को प्रशिक्षण देते हुए ब्र.कु. पुरुषोत्तम चौधरी,मिसाइल इंजीनियर एवं मोटिवेशनल स्पीकर। साथ हैं ब्रह्माकुमारी बहन तथा अन्य।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510. सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088,
Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info
सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये । विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक) कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 14th Sep 2016
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।